केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 29 सोमवार 18 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पेड़ पर लटका मिला शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के गरवरिया गांव में एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बाल मुकुन्द (45) के रूप में हुई है। वह लंबे समय से मानसिक अवसाद से जूझ रहे थे। शनिवार की रात को बाल मुकुन्द अचानक घर से बाहर चले गए। परिजनों ने रात भर उनकी तलाश की। रविवार सुबह लगभग 7 बजे उनकी पत्नी संगीता देवी को खेत के पास बगीचे में स्थित सिंघोर के पेड़ पर उनका शव लटका मिला।

बाल मुकुन्द ने अपनी पैंट का उपयोग कर फांसी लगाई थी। मृतक की पत्नी ने पुरानी बस्ती थाने में प्रार्थना पत्र देकर पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके पति पिछले कुछ दिनों से चुपचाप रहते थे और कम बातचीत करते थे। थाना पुरानी बस्ती के प्रभारी के अनुसार प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के कंपनी बाग में आकर्षक झांकियां सजाई गईं। राधा–कृष्ण और गोपियों की झांकियों ने लोगों का ध्यान खींचा। मथुरा–वृंदावन की झलक दिखाती प्रस्तुतियां भी रखी गईं। पुलिस लाइन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने राधा–कृष्ण पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किए। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने परंपरागत रूप से भगवान श्रीकृष्ण की आरती की।

रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर मंदिरों में घंटियां बजीं। श्रद्धालुओं ने भगवान को झूले में बैठाकर पालने की रस्म निभाई। महिलाओं ने भजन–कीर्तन किया। कई स्थानों पर मटकी–फोड़ प्रतियोगिताएं हुईं। युवाओं ने इनमें बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

हनुमानगढ़ी, दुर्गा मंदिर और कंपनीबाग शिव मंदिर में विशेष सजावट की गई। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए भीड़–भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल तैनात किया। श्रद्धालु देर रात तक झांकियों का आनंद लेते रहे। 'कन्हैया लाल की जय' के जयकारों से पूरा शहर गूंजता रहा। सोनहा थाने सहित अन्य थानों पर भव्य आयोजन किया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर अश्लील डांस, थानेदार लिम्बित

जौनपुर (आभा)। मुख्यमंत्री योगी ने यूपी के सभी थानों में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाने का निर्देश दिया था। ज्यादातर थानों पर जन्माष्टमी की धूम दिखाई भी दी है। इस दौरान थानों को सजाया और संवारा गया। कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जौनपुर के एक थाने में सांस्कृतिक आयोजन के नाम पर अश्लील डांस करा दिया गया।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही बवाल हो गया। एसपी ने तत्काल एक्शन लिया और थानेदार को सस्पेंड कर दिया है। उनकी जगह कोतवाली प्रभारी शेष कुमार शुक्ला को थानेदार बनाया गया है। पूरे मामले की जांच भी एएसपी ग्रामीण को सौंपी दी है।

चुनाव आयोग का कड़ा रूख, हलफनामा दें या माफी मांगे राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। निर्वाचन आयोग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा, '...या तो हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। कोई तीसरा विकल्प नहीं है।' कुमार ने कहा कि अगर 7 दिनों के अंदर हलफनामा नहीं मिलता है तो इसका मतलब है कि ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी सबूत के योग्य वोटर का नाम नहीं कटेगा। चुनाव आयोग हर मतदाता के साथ चट्टान की तरह हमेशा खड़ा है।

ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'अगर कोई सोचता है कि पीपीटी देने से हो जाएगा जो कि चुनाव आयोग के आंकड़े नहीं हैं। इस तरह के गलत आंकड़े देना और ये कहना कि ये पोलिंग ऑफिसर ने कहा है कि इस महिला ने दो बार वोट दिया है। इतने संगीन विषयों पर बिना हलफनामे के चुनाव आयोग को काम नहीं करना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के मतदाताओं को निशाना बनाकर राजनीति की जा रही है। चुनाव आयोग निडर होकर बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों के मतदाताओं के साथ है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें मतदाता सूची में हेरफेर और वोट चोरी शामिल है। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई। राहुल ने कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 1 लाख से अधिक फर्जी वोट जोड़े गए, जिसमें डुप्लीकेट वोटर, फर्जी पते, एक ही पते पर सैकड़ों वोटर, गलत फोटो और फॉर्म–6 का दुरुपयोग शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के साथ मिलकर यह धांधली कर रहा है, जिससे उसे लाभ हो रहा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को भी वोट चोरी को लेकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए चुनाव चोरी करने की साजिश की जा रही है, लेकिन विपक्ष ऐसा नहीं होने देगा। राहुल ने कहा कि यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी संविधान को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या बढ़ने का फिर से हवाला दिया और दावा किया कि सारे नए मतदाताओं के वोट भाजपा को मिले। राहुल गांधी ने कहा कि इसके बाद बेंगलुरु की महादेवपुरा सीट पर मतदाता सूची के बारे में जानकारी एकत्र की गई। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूची में नाम जोड़कर और नाम हटाकर चुनाव की चोरी करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इस साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

बिहार में मतदाता अधिकार यात्राः चुनाव चुराने की साजिश सफल नहीं होने देंगे- राहुल गांधी

पटना (आभा)। बिहार में मतदाना अधिकार यात्रा के दौरान रविवार को बिहार के सासाराम पहुंचे राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुआ कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए 'चुनाव चुराने' की साजिश चल रही है, लेकिन विपक्ष ऐसा नहीं होने देगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'मतदाता अधिकार यात्रा' की शुरूआत से पहले आयोजित एक सभा में यह भी दावा किया कि अब सबको पता चल गया है कि देश भर में 'वोट चुराए जा रहे हैं'। राहुल गांधी ने कहा कि हमने दिखाया कि चोरी कैसे होती है। उन्होंने कहा कि एनडीए अरबपतियों के साथ मिलकर सरकार चलाती है। आपका वोट चुराया जाता है।

राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी संविधान को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने फिर से महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या में हुई वृद्धि का जिक्र किया और दावा किया कि सभी नए मतदाताओं ने बीजेपी को वोट दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि इसके बाद बेंगलुरु की महादेवपुरा सीट की मतदाता सूची के बारे में जानकारी जुटाई गई। उन्होंने दावा किया कि "प्" के जरिए मतदाता सूची में नाम जोड़कर और हटाकर 'चुनाव चुराने' की कोशिश की जा रही है, लेकिन इस साजिश को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा, 'जहां भी वोट चोरी होगी, हम इस चोरी को पकड़ेंगे और जनता को बताएंगे। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में आकर जाति जनगणना कराने की बात कर रहे हैं, लेकिन यह जगजाहिर है कि वह असली जाति जनगणना नहीं कराएंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश साहनी और महागठबंधन के कई अन्य नेता इस बैठक में शामिल हुए। यात्रा में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा भी उठाया जाएगा। इस यात्रा में 16 दिनों में 20 से अधिक जिलों में कुल 1,300 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

ओंकार सिंह अध्यक्ष गोपीनाथ मिश्र महामंत्री बने

–उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का चुनाव प्रेस क्लब सभागार में चुनाव अधिकारी संघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री वागीशदत्त पाण्डेय, जिला संरक्षक वीरेन्द्र कुमार मिश्र की देख रेख में सम्पन्न हुआ। सर्व सम्मत से ओंकार सिंह अध्यक्ष, विनोद कुमार मिश्र, मनोज कुमार यादव, सुमन त्रिपाठी, वंदना यादव उपाध्यक्ष, गोपीनाथ मिश्र महामंत्री, सत्यकाम, धर्मराज चौधरी कोषाध्यक्ष, विजय कुमार सिंह लेखा परीक्षक घोषित किये गये। इसके साथ ही मधुर कुमार शुक्ल, राजेन्द्र प्रताप सिंह यादव, विजय कुमार, डा. राजेन्द्र सिंह, चन्द्रमणि त्रिपाठी और देवेन्द्र शुक्ल कार्यकारिणी में शामिल किये गये हैं।

चुनाव से पूर्व शिक्षक समस्याओं पर चर्चा के साथ ही अधिकारों के लिये रचनात्मक संघर्ष पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय सिंह, उदयभान सिंह, भानु प्रताप शुक्ल, मान सिंह, विनय पाल, कृष्ण कुमार द्विवेदी, शैलेन्द्र कुमार, राम मूर्ति यादव, राम नरेश, राजेन्द्र प्रसाद दूबे, सिकन्दरलाल, राजेन्द्र यादव, अमरजीत सिंह, सुनीता सिंह, सूर्य प्रकाश, लखपत सिंह, चिन्तामणि, सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, कृष्ण बहादुर, शरद चन्द्र पाण्डेय, राम नरायन आर्य, सीतराम, राकेश मणि त्रिपाठी, सुरेश, विजय बहादुर सिंह, हरिओम, वीपत, परशुराम, राजेन्द्र प्रसाद दूबे, शिव पल्टन, इन्द्रभान सिंह, पूर्णिमा शुक्ला के साथ ही अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्वदेश पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली (आभा)। ऐतिहासिक एक्सिओम–4 मिशन के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 21 दिन अंतरिक्ष में बिताकर भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

ऐतिहासिक एक्सिओम–4 मिशन पूरा कर और अंतरिक्ष में 21 दिन बिताने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला रविवार को भारत लौट आए हैं। एक महीने पहले उन्होंने इस ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा को अंजाम दिया था। शुभांशु शुक्ला का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया।

हवाई अड्डे पर शुभांशु शुक्ला के आगमन से पहले ही उनके स्वागत के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। लोग भारतीय राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए अपने नायक का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। शुक्ला के बाहर आते ही लोगों ने तालियों और नारों से उनका अभिनंदन किया।

शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने कई वैज्ञानिक प्रयोगों और शोध कार्यों में हिस्सा लिया। उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भविष्य के मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए नई राह खोलेगा।

धर्मवीर राजभर राष्ट्रीय सुहेलदेव सेना के जिला कमाण्डर घोषितःविधानसभा, ब्लाक के पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी 'सुभासपा' की बैठक जिलाध्यक्ष मनोज राजभर की अध्यक्षता में रोडवेज के निकट स्थित शिविर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, पदाधिकारियों की संख्या बढाने, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सक्रिय भागीदारी आदि पर विचार किया गया। सर्व सम्मत से धर्मवीर राजभर को राष्ट्रीय सुहेलदेव सेना का जिला कमाण्डर घोषित किया गया। इसके साथ ही इन्द्रजीत राजभर बस्ती सदर, धर्मेन्द्र राजभर महादेवा, सोनू राजभर रूधौली, काली प्रसाद राजभर कप्तानगंज और पंकज राजभर को हर्रैया विधानसभा का राष्ट्रीय सुहेलदेव सेना का कमाण्डर घोषित किया गया। इसी कड़ी में मेषराज राजभर बस्ती सदर, अमर राजभर बहादुरपुर, रामलाल रामनगर और सत्येन्द्र कुमार को दुबौलिया विकास खण्ड से सुहेलदेव सेना का ब्लाक कमाण्डर घोषित किया गया।

घोषित पदाधिकारियों को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुये राष्ट्रीय सचिव विनोद राजभर ने कहा कि सुभासपा निरन्तर जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष जारी रखे हुये है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के दिशा निर्देश के अनुरूप त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां जोरों पर है। कहा कि मजबूत संगठन से ही राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त होंगे। बैठक में प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चर्तुभुजी पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा उमेश राजभर, जिला सलाहकार अर्जुन, जिला महासचिव राहुल पाण्डेय आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। सूचना मंत्री परशुराम चौधरी, विधानसभा उपाध्यक्ष विशाल राजभर, मिन्टू चौधरी, बनवारी राजभर आदि उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये पर्वत पुरुष दशरथ माझी

–माझी परिवार के लिये राहुल गांधी बनवा रहे हैं घर–महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बिहार राज्य के गहलौर निवासी पर्वत पुरुष दशरथ मांझी को उनके 18 वीं पुण्य तिथि पर रविवार को याद किया गया। सदर विकास खण्ड के बक्सर गांव में विजय बक्सर के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि पहाड़ का सीना चीरकर रास्ता बनाने वाले दशरथ माझी की बिहार की सरकार भूल गयी किन्तु कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके परिवार को याद रखा। उनके द्वारा दशरथ माझी का घर बनवाया जा रहा है जो लोकतंत्र में परस्पर सहयोग का बड़ा उदाहरण है। दशरथ मांझी ने पहाड़ को चीरकर मिसाल कायम की, उनके जीवन से हम सभी के लिए प्रेरणा मिलती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दशरथ माझी के पुत्र भगीरथ मांझी और उनका परिवार अपने घर को बनता देख खुश है। निश्चित रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यह पहल दशरथ माझी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

पर्वत पुरूष दशरथ माझी को पुण्य तिथि पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से विजय बक्सर के साथ ही सुनीता, दीपा, चन्द्रावती, राजमति, चन्द्रकली, इशरावती, रेखा, बलराम, मनी गौतम, गया, अनिल बक्सर आदि शामिल रहे।

तेज हुई सरयू की कटानः नदी में समा रही है डोगरा रेजीमेंट की जमीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत बस्ती। विक्रमजोत विकास खंड के कल्याणपुर गांव के पड़ाव में डोगरा रेजीमेंट की जमीन की कटान लगातार सरयू नदी कर रही है। अब तक एक हेक्टेयर से ज्यादा जमीन नदी में समा चुकी है। एक बड़ी झोपड़ी, तीन पेड़ और गन्ने की फसल को नदी निगल चुकी है। सरयू की बाढ़ से बंधे के पार वाले 17 गांव बुरी तरह प्रभावित हैं। जहां से बाढ़ का पानी उतर गया है, वहां कीचड़ भर गया है। पकड़ी संग्राम गांव में तीन दिनों में 15 बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। कटानरोधी पाइकोपाइन लांच कराए जा रहे हैं। पड़ाव स्थल पर डोगरा रेजीमेंट की लगभग 110 बीघा जमीन है, जिस पर 12 परिवार खेती करते हैं।

सेना ने अपनी जमीन पर स्पर बनानी की अनुमति बाढ़ खंड को नहीं दिया, जिससे लगभग 700 मीटर का किनारा खुला है, जहां पर हर साल कटान हो रही है। कई वर्षों में 40 बीघा से ज्यादा जमीन कट चुकी है। पिछले दिनों यहां पहुंचे सेना के अधिकारियों ने कटान का जायजा लिया। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि सेना ने अब उक्त भूमि पर स्पर बनाने की अनुमति दे दी है। आने वाले दिनों में इसके लिए प्रयास किया जाएगा। अर्जुनपुर गांव के चारो ओर भरा बाढ़ का पानी उतर तो गया है, लेकिन काफी मात्रा में सिल्ट छोड़ गया है। हालत यह है कि ग्रामीणों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। पकड़ी गांव के भगवानदीन और अर्जुनपुर गांव के शोभाराम ने बताया कि 10 दिनों से पानी भरा था, 18 परिवार प्रभावित है। कीचड़ और पानी से गुजर कर ग्रामीण घरों तक पहुंच रहे हैं। प्रशासन की ओर से राहत सामग्री नहीं बांटी गई है। एलबी तटबंध पर कल्याणपुर और भरथापुर गांव के चारो ओर भरा पानी हट चुका है। कल्याणपुर के प्रधान प्रतिनिधि अभिषेक सैनी ने बताया कि मंगलवार को 212 परिवारों को बाढ़ राहत सामग्री बांटी गई। बाढ़ चौकी घघौवा पर तैनात जेई राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों संवेदनशील स्थानों पर कटानरोधी कार्य कराए जा रहे हैं। विक्रमजोत विकास क्षेत्र में सरयू नदी फिर उफान पर है। करीब आधा दर्जन जगहों पर नदी कटान कर रही है। निचले व तटीय इलाकों में पानी फिरसे भरने लगा है। तटबंधों के साथ साथ डेंजर प्वाइंटों की निगरानी के लिए बाढ़ चौकियों व सुरक्षा समितियों को एलर्ट मोड पर कर दिया गया है। केंद्रीय जल आयोग अयोध्या के अनुसार शनिवार दोपहर दो बजे नदी का जलस्तर 92.74 मीटर रिकॉर्ड हुआ जो खतरे के निशान 92.730 से एक सेमी ऊपर है। हाई फ्लड लेबल 94.01 से करीब 130 सेमी नीचे है। विकास क्षेत्र के रानीपुर, कठवनिया, केशवपुर, कल्याणपुर के पड़ाव, पकड़ी संग्राम, अर्जुनपुर सहित अन्य जगहों पर कटान तेज हो गई है।

पत्रकार हितों पर विमर्शः आई.सी.ओ.पी. के पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को इण्डियन काउन्सिल ऑफ प्रेस 'आई.सी.ओ.पी.' पत्रकार संगठन की बैठक जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता ने कहा कि देश और प्रदेश का पत्रकारिता और पत्रकारिता कठिन दौर से गुजर रही है ऐसे में पत्रकार संगठनों की भूमिका और बढ जाती है। कहा कि आई.सी.ओ.पी. निरन्तर पत्रकार हितों के लिये अपना संघर्ष जारी रखे हुये है। परस्पर सहयोग से ही पत्रकारिता और पत्रकारिता मजबूत रह सकेगी।

जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद मिश्र ने आई.सी.ओ.पी. जिला पदाधिकारियों की घोषणा किया। इसमें विजय प्रकाश मिश्र, चित्रसेन पाण्डेय उपाध्यक्ष, तबरेज खान रणजीत उपाध्याय, राजकुमार पाण्डेय, विश्वपति वर्मा सौरभ महासचिव, वृजबासीलाल शुक्ल, मनोज कुमार सिंह, सौरभ कुमार मिश्र, राहिल खान सचिव, साहिन कुरेशी उप सचिव घोषित किये गये। सन्तोष कुमार पाण्डेय, शशि कुमार पाण्डेय, सरोज देवी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। कार्यक्रम में अनेक पत्रकार और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 अगस्त 2025 सोमवार

सम्पादकीय

वोट चोरी के आरोप और चुनाव आयोग

यह अजीब संयोग है कि जिस दिन से राहुल गांधी, तेजस्वी सहित अनेक विपक्षी दलों ने बिहार से वोट रक्षा अभियान शुरू करने के साथ ही चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाये, ठीक उसी दिन चुनाव आयोग ने प्रेस वार्ता कर अपनी स्थितियों को स्पष्ट किया। शुद्ध मतदाता सूची समय की मांग है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि चुनाव आयोग अनगिनत सवालों के बीच इस पर कितना खरा उतर पायेगा।

वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारतीय संविधान के मुताबिक भारत के सभी नागरिक जो 18 साल की उम्र पूरी कर चुका है उसे वोटर बनना चाहिए और वोट भी डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि सभी राजनीतिक दलों का जन्म चुनाव आयोग में रजिस्ट्रेशन से ही होता है। ऐसे में चुनाव आयोग किसी दल के प्रति गलत भावना कैसे रख सकता है। उन्होंने कहा कि दोहरे मतदान और 'वोट चोरी' के निराधार आरोपों से न तो निर्वाचन आयोग और न ही मतदाता भयभीत हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में एक करोड़ से अधिक कर्मचारी लगे, क्या इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में 'वोट चोरी' हो सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे कहा कि कहा कि हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किस राजनीतिक दल से संबंध रखता है। आयोग अपने संवैधानिक कर्तव्यों से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता। चुनाव प्राधिकरण के समक्ष सत्तारूढ़ और विपक्षी दल समान हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद मतदाता सूची में सभी त्रुटियों को दूर करने के उद्देश्य से है। निर्वाचन आयोग के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं, बूथ स्तर के अधिकारी और एजेंट पारदर्शी तरीके से मिलकर काम कर रहे हैं। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि वोट चोरी का आरोप संविधान का अपमान है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगे कहा कि निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से बिहार में मतदाता सूची के मसौदे पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने को कहा। इसमें अभी 15 दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल और उनके नेता बिहार में एसआईआर के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि सभी हितधारक पारदर्शी तरीके से एसआईआर को सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। विपक्ष की मांग पर चुनाव आयोग ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में ही कहा था कि मशीन से पढ़ी जा सकने वाली मतदाता सूची साझा करने से मतदाताओं की निजता भंग हो सकती है।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि हमने कुछ दिन पहले देखा कि कई मतदाताओं की तस्वीरें बिना उनकी अनुमति के मीडिया के सामने पेश की गईं। उन पर आरोप लगाए गए, उनका इस्तेमाल किया गया। क्या चुनाव आयोग को किसी भी मतदाता, चाहे वह उनकी मां हो, बहू हो, बेटी हो, उनके सीसीटीवी वीडियो साझा करने चाहिए? जिनके नाम मतदाता सूची में हैं, वे ही अपने उम्मीदवार को चुनने के लिए वोट डालते हैं।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और उनके द्वारा नामित बीएलए के सत्यापित दस्तावेज और टेस्टेमोनियल या तो उनके अपने राज्य या राष्ट्रीय स्तर के नेताओं तक नहीं पहुंच रहे हैं या फिर जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करके भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है। सभी हितधारक मिलकर काम करके बिहार के एसआईआर को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एक बार जब एसडीएम द्वारा अंतिम सूची प्रकाशित हो जाती है, तो मसौदा सूची राजनीतिक दलों के साथ भी साझा की जाती है। अंतिम सूची भी राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाती है, यह चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होती है। मतदान केंद्रवार सूची दी जाती है। प्रत्येक उम्मीदवार को एक पोलिंग एजेंट नामित करने का अधिकार है और यही सूची पोलिंग एजेंट के पास भी होती है। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा परिणाम घोषित करने के बाद भी, एक प्रावधान है कि आप 45 दिनों के भीतर उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं और चुनाव को चुनौती दे सकते हैं। जब 45 दिन पूरे हो जाते हैं चाहे वह केरल हो, कर्नाटक हो, बिहार हो, और जब किसी भी पार्टी को 45 दिनों में कोई गलती नहीं मिली, तो आज इतने दिनों के बाद, इस तरह के निराधार आरोप लगाने के पीछे उनका मकसद क्या है, यह पूरे देश के लोग समझते हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विपक्ष इस प्रेस वार्ता को किस रूप में लेता है।

उत्तराखण्ड में तबाही के सिलसिले

—प्रमोद भार्गव —

भगवान भोले नाथ का गुस्सा, प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमी उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद अभी भी जारी है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हर्शिल के तेल गाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। इन प्राकृतिक आपदाओं को हमें इसी गुस्से के प्रतीक रूप में देखने की जरूरत है। धराली में तो 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसा खूबसूरत धराली गांव में सैलाब नीचे उतरते हुए दिखा, उससे लगता है, मौतें कहीं अधिक हुई हैं। प्रलय इतनी तीव्रता से आया की उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया। अब धराली मलबे में दफन हैं।

इस भूक्षेत्र के गर्भ में समाई प्राकृतिक संपदा के दोहन से उत्तराखंड विकास की अग्रिम पांत में आ खड़ा हुआ था, वह विकास भीतर से कितना खोखला था, यह इस क्षेत्र में निरंतर आ रही इस आपदाओं से पता चलता है। बरिश, बाढ़, भूस्खलन, बर्फ की चट्टानों का टूटना और बदलों का फटना, अनायास या संयोग नहीं है,बल्कि विकास के बहाने पर्यावरण विनास की जो पृश्ठभूमि रची गई, उसका परिणाम है। तबाही के इस कहर से यह भी साफ हो गया है कि आजादी के 78 साल बाद भी हमारा न तो प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदा से निपटने में सक्षम है और न ही मौसम विभाग आपदा की सटीक भविश्यवाणी करने में समर्थ हो पाया है। यह विभाग केरल और बंगाल की खाड़ी के मौसम का अनुमान लगाने का दावा तो करता है, किंतु भारत के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र हिमालय में बादल फटने की भी सटीक जानकारी नहीं दे पाता है। जबकि धराली क्षेत्र में एक साथ दो जगह बादल फटे और कुछ मिनटों में हुई तेज बारिश ने श्रीखंड पर्वत से निकली खीरगंगा नदी को प्रलय में बदलकर 90 प्रतिशत गांव को हिमालय के गर्भ में समा दिया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी व्यास की परिधि में फटने के बाद अतिवृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंटीमीटर या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर, उस क्षेत्र में होने वाली औसत, वार्षिक वर्षा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेते हैं। लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते। इस कारण बादल फटने की घटनाओं की भविष्यवाणी भी नहीं करते हैं।

समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। लेकिन विडंबना है कि घरेलू विकास दर को बढ़ावा देने के मद्देनजर अधोसंरचना विकास के बहाने देशी–विदेशी पूंजी निवेश को बढ़वा दिया जा रहा है। पर्यावरण संबधी स्वीकृतियों राज्य सरकारें अब अनदेखा करने लगी हैं। इससे साबित होता है कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण सबंधी कठोर नीतियों को लचीला बनाकर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का करण बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई इन तबाहियों का आकलन इसी परिप्रेक्ष्य में करने की जरूरत है।

उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवंबर 2000 को अस्तिव में आया था। 13 जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसदी साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किलोमीटर में फैला है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नादियों का उद्गम स्थल है। इन नादियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक व सास्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इसे धर्म–ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव विविधता के पर्याय हैं। तय है,उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से प्रलय जैसे प्रकोप बार–बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा वर्शा रहे हैं।

उत्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांधा के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। नतीजतन बड़ी संख्या में लोगों का पुश्तैनी ग्राम–कस्बों से विस्थापन तो हुआ ही, लाखों हेक्टेयर जंगल भी तबाह हो गए। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थिकी तंत्र के ताने–बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगे बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। दुश्परिणाम स्वरूप इनकी जलग्रहण क्षमता नश्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदलकर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है। बादल फटने के तो केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते है। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू–स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैंकड़ों मकानों में भूमि घसंकने से बड़ी–बड़ी दरारें आ गई हैं। भू–स्खलन के अलावा इन दरारों की वजह कालिंदी और असिगंगा नदियों पर निर्माणाधीन जलविद्युत और रेल परियोजनाएं भी रही हैं।

उत्तराखंड जब स्वंतत्र राज्य नहीं बना था, तब इस देवभूमि क्षेत्र में पेड़ काटने पर प्रतिबंध था। नदियों के तटों पर होटल नहीं बनाए जा सकते थे। यहां तक कि निजी आवास बनाने पर भी रोक थी। लेकिन उत्तर प्रदेश से अलग होने के साथ ही, केंर्द्र से बेहिसाब धनराशि मिलना षुरू हो गई। इसे ठिकाने लगाने के नजरिए स्वयंभू ठेकेदार आगे आ गए। उन्होंने नेताओं और नौकरशाहों का एक मजबूत गठजोड़ गढ़ लिया और नए राज्य के रहनुमाओं ने देवभूमि के प्राकृतिक संसाधनों के लूट की खुली छूट दे दी। दवा (फार्मा) कंपनियां औशधीय पेड़–पौधों और जड़ी–बूटियों के दोहन में लग गई हैं। भागारथी, खीरगंगा और अलकनदा के तटो पर बहुमंजिला होटल और आवासीय इमारतों की कतार लग गई। पिछले 25 साल में राज्य सरकार का विकास के नाम पर प्रकृति के दोहन के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं है। जबकि इस राज्य का निर्माण का मुख्य लक्ष्य था कि पहाड़ से पलायन रुके। रोजगार की तलाश में युवाओं को महानगरों की और ताकना न पड़े। लेकिल 2011 में हुई जनगणना के जो आंकड़े सामने आए हैं,उनके अनुसार पौढ़ी–गढ़वाल और अल्मोड़ा जिलों की तो आबादी ही घट गई है। तय है, क्षेत्र में पलायन और पिछड़ापन बढ़ा है। विकास की पहुंच धार्मिक स्थलों पर ही सीमित रही है,क्योंकि इस विकास का मकसद महज श्रद्धालुओं की आस्था का आर्थिक दोहन रहा था। यही वजह रही कि उत्तराखंड के 5 हजार गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं। खेती आज भी वर्शा पर निर्भर है। उत्पादन बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधाएं नदारद हैं। तिस पर भी छोटी बड़ी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढाती रहती हैं। इस प्रकोप ने तो तथाकथित आधुनिक विकास को मिट्टी में मिलाकर जल के प्रवाह में बहा दिया। ऐसी आपदाओं की असली चुनौती इनके गुजर जाने के बाद खड़ी होती है, जो अब जिस भयावह रूप में देखने में आ रही है, उसे संवेदनशील आंखों से देखा जाना भी मुश्किल है।

"चिप वॉर" के क्षेत्र में भारत

—नीरज कुमार दूबे—

अमेरिका और चीन के बीच चल रही "चिप वॉर" अब सिर्फ दो महाशक्तियों का द्वंद्व नहीं रही, बल्कि वैश्विक तकनीकी शक्ति संतुलन का केंद्रीय मुद्दा बन चुकी है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका, एनविडिया और एएमडी जैसी कंपनियों के चीन को बेचे जाने वाले एआई चिप्स की बिक्री से 15ः हिस्सेदारी लेने की तैयारी कर रहा है। यह कदम बताता है कि अब सरकारें भी सीधे हाई–टेक कारोबार में 'स्टेकहोल्डर' बनने लगी हैं। इसके पीछे व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के साथ–साथ रणनीतिक भू–राजनीतिक समीकरण भी छिपे हैं। मसलन ट्रम्प प्रशासन की चिप बिक्री पर पाबंदी, चीन का दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर प्रतिबंध और फिर टैरिफ युद्ध में अस्थायी विराम। हम आपको याद दिला दें कि ट्रम्प प्रशासन ने अप्रैल में बीजिंग के साथ व्यापारिक टकराव के चलते चीन को चिप की बिक्री पर रोक लगाई थी। लेकिन चीन द्वारा अमेरिका को दुर्लभ धातुओं (त्तम म्तजी) के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद ट्रम्प को यह पाबंदी हटानी पड़ी थी।

इस पूरी घटना से पहला बड़ा सबक यह निकलता है कि तकनीकी क्षेत्र की खींचतान अब स्थायी हो चुकी है। चाहे वह अमेरिका द्वारा चीन को चिप बेचना हो या चीन का भारत की तकनीकी विनिर्माण क्षमता को कमजोर करने की कोशिश (जैसे हाल में फॉक्सकॉन के भारत स्थित संयंत्रों से चीनी इंजीनियरों की वापसी), यह एक ऐसा रणनीतिक क्षेत्र है जिसे हर देश अपने हित में इस्तेमाल या हथियार बनाने की कोशिश करेगा।

इस शक्ति–संघर्ष में भारत की स्थिति पर गौर करने से पहले हमें यह देखना होगा कि जहां चीन अपनी विनिर्माण क्षमता और ताइवान अपनी सेमीकंडक्टर श्रेष्ठता के कारण अमेरिकी टैरिफ से बच निकलते हैं, वहीं भारत को ट्रम्प जैसे नेताओं की नजर में अब भी कोई रणनीतिक "बार्गेनिंग चिप" नहीं माना जाता। इसका सीधा संदेश है– अगर भारत को वैश्विक तकनीकी टेबल पर निर्णायक सीट चाहिए, तो उसे सेमीकंडक्टर और एआई में ठोस बढ़त लेनी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी इस बात को बहुत पहले से समझ रहे थे इसलिए उनकी सरकार ने दिसंबर 2021 में शुरू किए गए भारत सेमीकंडक्टर मिशन को अब एक आक्रामक औद्योगिक अभियान में बदल दिया है। 10 अरब डॉलर से अधिक का प्रोत्साहन पैकेज और राज्यों में फैले सेमीकंडक्टर पार्क इस दिशा में पहला कदम थे। ताजा फैसले के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें ओडिशा में सिकसेम की देश की पहली वाणिज्यिक कंपाउंड फैब्रिकेशन इकाई, 3डी ग्लास सॉल्यूशंस की उन्नत पैकेजिंग सुविधा, आंध्र प्रदेश में एएसआईपी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और पंजाब में सीडीआईएल का विस्तार शामिल है। इन परियोजनाओं में लगभग 4,600 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 2,000 से अधिक कुशल पेशेवरों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, साथ ही अनेक अप्रत्यक्ष अवसर भी सृजित होंगे। इनसे भारत को सिलिकॉन कार्बाइड आधारित कंपाउंड चिप्स, अत्याधुनिक पैकेजिंग तकनीक और उच्च–प्रदर्शन इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उत्पादन में ऐसी क्षमता मिलेगी, जो अब तक ताइवान, दक्षिण कोरिया या चीन के पास ही केंद्रित थी।

देखा जाये तो दुनिया का तकनीकी परिदृश्य बदल रहा है। अमेरिका और यूरोप, चीन–निर्भर आपूर्ति श्रृंखला से बाहर निकलना चाहते हैं। भारत एक स्थिर लोकतंत्र, विशाल बाजार और कुशल इंजीनियरिंग प्रतिभा के चलते स्वाभाविक विकल्प है। हमारी लागत–प्रतिस्पर्धा और डिजाइन विशेषज्ञता, अगर घरेलू विनिर्माण क्षमता से जुड़ जाए, तो भारत "टेक सप्लाई चेन" में एक अनिवार्य कड़ी बन सकता है। एक और बात काबिलेगौर है कि एआई (।तजपपि. बपंस प्दजमससपहमदबम) के आगमन के साथ भारत की पारंपरिक ताकत यानी सॉफ्टवेयर और कोडिंग अब उतनी आकर्षक नहीं रही। इसलिए, भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजाइन और एआई जैसी मूलभूत तकनीकों में महारत हासिल करने के अपने संकल्प में किसी भी हालत में ढील नहीं देनी चाहिए। इसके अलावा, एआई तकनीक को लेकर एलन मस्क और ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन के बीच ऐप्पल ऐप स्टोर में लिस्टिंग को लेकर हुआ विवाद दिखाता है कि कंपनियां इस क्षेत्र में कितनी आक्रामक प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। भारत को इसमें पीछे नहीं रहना चाहिए।

इसके अलावा, अमेरिकादृचीन चिप वॉर ने साफ कर दिया है कि तकनीक अब "व्यापार" से कहीं ज्यादा "रणनीतिक हथियार" बन चुकी है। भारत के पास इस हथियार को गढ़ने का मौका हैकृ और मोदी सरकार की मौजूदा नीति उसकी मजबूत शुरुआत है। अगर आने वाले पाँचदृसात वर्षों में भारत स्थानीय त–क, डिजाइन–टू–मैन्युफैक्चरिंग चेन और ग्लोबल साझेदारियों में निर्णायक निवेश करता है, तो अगली बार जब दुनिया तकनीकी संकट में होगी, समाधान के लिए उसकी नजर ताइवान या चीन पर नहीं बल्कि भारत पर होगी।

बहरहाल, दुनिया के तकनीकी मानचित्र पर सेमीकंडक्टर आज 'तेल' की तरह हैकृ हर आधुनिक उत्पाद, स्मार्टफोन से लेकर मिसाइल तक, इसके बिना अधूरा है।

शहर, कुत्ते और हमारी जिम्मेदारी

—डॉ प्रियंका सौरभ—

भारत में पालतू कुत्तों की संख्या 2023 में लगभग 3.2 करोड़ आंकी गई, और यह हर साल 12–15ः की दर से बढ़ रही है। लेकिन साफ–सफाई और सार्वजनिक शिष्टाचार पर आधारित पालतू नीति केवल गिने–चुने शहरों में ही लागू है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कुत्ते की पॉटी में मौजूद परजीवी और बैक्टीरिया से बच्चों और बुजुर्गों में गंभीर संक्रमण हो सकता है। विकसित देशों में पालतू की गंदगी न उठाने पर औसतन 50 से 500 डॉलर तक का जुर्माना होता है, जबकि भारत में यह प्रावधान कई जगह मौजूद होते हुए भी शायद ही लागू होता है। पालतू जानवर केवल हमारे घर का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे शहर की संस्कृति और अनुशासन का भी आईना होते हैं। उनकी देखभाल में हमारी आदतें यह तय करती हैं कि हम कितने जिम्मेदार नागरिक हैं।

पालतू कुत्ता आज केवल घरेलू साथी नहीं, बल्कि शहरी जीवन शैली का अहम हिस्सा बन चुका है। शहरों में सुबह और शाम की सैर करते हुए सैकड़ों कुत्ते और उनके मालिक फुटपाथ, पार्क और गलियों में दिखाई देते हैं। यह दृश्य अपने आप में सुखद हो सकता है, बशर्ते इसके साथ जिम्मेदारी और अनुशासन भी उतना ही साफ दिखे। दुर्भाग्य से भारत में कुत्ता–पालन की संस्कृति में यह पहलू अब भी अधूरा है।

कुत्ता पालना केवल उसकी देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि उस गंदगी को भी संभालना है, जो वह सार्वजनिक जगहों पर छोड़ता है। विकसित देशों में कुत्ते के मालिक के लिए यह सामान्य बात है कि यदि उसका पालतू कहीं पॉटी करता है तो वह तुरंत पॉलीथिन बैग निकालकर उसे उठाता है और नजदीकी डस्टबिन में डालता है। इसके लिए कई नगरपालिकाएं मुफ्त बैग और पॉटी डस्टबिन उपलब्ध कराती हैं। इसके विपरीत भारत में सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों की पॉटी साफ करना अब भी एक दुर्लभ दृश्य है। कई मालिक यह मान लेते हैं कि जमीन तो सबकी है, इस पर गंदगी छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह सोच न केवल अस्वच्छता को बढ़ावा देती है, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों के लिए खतरा भी बनती है।

पालतू कुत्ते का प्रशिक्षण कितना भी अच्छा क्यों न हो, वह अंततः एक जानवर है और उसका व्यवहार परिस्थितियों से प्रभावित हो सकता है। इसी वजह से विकसित देशों में सार्वजनिक स्थानों पर पट्टा लगाना अनिवार्य है। वहां के लोग न केवल कानून के डर से, बल्कि सामाजिक आदत के कारण भी ऐसा करते हैं। भारत में यह नियम अक्सर नजरअंदाज होता है। कई मालिक गर्व से कहते हैंकृ"हमारा कुत्ता किसी को नहीं काटता।" लेकिन किसी अनजान राहगीर के डरने, बच्चे के गिरने या साइकिल सवार के असंतुलित होने की स्थिति में दुर्घटना हो सकती है। पट्टा न लगाना केवल नियम का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरों की सुरक्षा के प्रति लापरवाही भी है।

कई देशों में कुत्तों का ज्यादा भौंकना असामान्य माना जाता है और इसे नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षण पर जोर दिया जाता है। भौंकना केवल खतरे या असामान्य परिस्थिति में होना चाहिए, इसे शोर–प्रदूषण और असामाजिक व्यवहार के रूप में देखा जाता है। भारत में इसके उलट, कुत्तों का दिन–रात भौंकना सामान्य समझा जाता है। यह न केवल पालतू बल्कि आवारा कुत्तों में भी दिखता है। इससे बच्चों और बुजुर्गों की नींद, मानसिक शांति और सुरक्षा प्रभावित होती है, लेकिन इस पर शायद ही कोई चर्चा होती है।

विकसित देशों में कुत्ता काटने, पट्टा न लगाने या गंदगी न उठाने पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। वहां कानून का पालन केवल दंड के डर से नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव से भी होता हैकृ क्योंकि नियम तोड़ना शर्मनाक माना जाता है। भारत में भी कुछ नगर निगमों ने ऐसे नियम बनाए हैं, लेकिन उनका पालन बेहद ढीला है। जुर्माने के प्रावधान अक्सर कागजों में ही रह जाते हैं, और लोग इन्हें गंभीरता से नहीं लेते। विदेशों में 'सार्वजनिक' का मतलब हैकृसबका और सबके लिए। भारत में अक्सर 'सार्वजनिक' का मतलब बन जाता हैकृकिसी का नहीं। यही कारण है कि सार्वजनिक संपत्ति और जगहों की देखभाल को व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं माना जाता। कुत्ता पालने के मामले में भी यही मानसिकता हावी है। पालतू को परिवार का हिस्सा मानने का दावा किया जाता है, लेकिन उसकी गंदगी, सुरक्षा और सामाजिक व्यवहार की जिम्मेदारी को लेकर ढिलाई बरती जाती है।

पालतू कुत्ते की पॉटी में कई प्रकार के बैक्टीरिया, परजीवी और रोगजनक तत्व हो सकते हैं, जो इंसानों के लिए हानिकारक हैं। सार्वजनिक जगहों पर इसे छोड़ना न केवल अस्वच्छता बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि खुले में पालतू जानवरों की गंदगी से बच्चों में आंत संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में यह केवल एक सफाई का मुद्दा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का सवाल भी है।

रात को जन्माष्टमी उत्सव में गया, सुबह घर के बरामदे में मिली युवक की लाश

संवाददाता—गोण्डा। रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई। वह रात को जन्माष्टमी उत्सव में गया था। सुबह तख्त के नीचे उसकी लाश पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना कटरा बाजार के पहाड़ापुर की है। यहां के रहने वाले शिवम शुक्ला (25) की मौत हुई है। चाचा मलखान ने बताया कि शिवम शनिवार को जन्माष्टमी कार्यक्रम में गया था। सुबह घर के बरामदे में तख्त के नीचे उसका शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई।

वहीं पत्नी निशा ने बताया कि देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हुई है। इंस्पेक्टर रमाशंकर राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों से पूछताछ की गई है। मौत का कारण अभी पता नहीं चल सका है। शिवम अपने तीन भाइयों व बहन में सबसे बड़ा था। बताया गया कि पिता लल्लू शुक्ला व मां ममता शुक्ला लुधियाना में रहते हैं। परिवार में पत्नी निशा और एक वर्ष का बेटा राघव व दो माह की बेटी दीपांशी है। परिजनों ने हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता—महराजगंज। कुबेरस्थान थाना क्षेत्र में एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल निवासी दीपक पांडेय के रूप में हुई है। वह कुबेरस्थान कस्बे से पिपरा जटामपुर मार्ग पर एक किराए के मकान में रहता था।

घटना की जानकारी रविवार सुबह करीब 8 बजे तब हुई, जब मकान मालिक झाड़ू लगाने पहुंचा। कमरे का दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। इसी दौरान माइक्रो फाइनेंस कंपनी से भी मकान मालिक को फोन आ रहा था, क्योंकि दीपक का फिंगरप्रिंट लगाने का समय हो रहा था।

मकान मालिक ने जब जंगले से झांककर देखा तो दीपक का शव पंखे की कुंडी से लटका हुआ था। इसके बाद कंपनी के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। कुबेरस्थान थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जंगले की जाली हटाकर शव को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार राय ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ ने निचलौल सीएचसी का किया निरीक्षण, अनुपस्थित स्टाफ का वेतन रोका

संवाददाता—महराजगंज। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ श्रीकांत शुक्ला ने दोपहर 1:20 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आपातकालीन सेवाएं चालू थीं। केंद्र में तीन सिजेरियन मरीज भर्ती थे और इमरजेंसी में 22 मरीजों की जांच की गई थी। 13 सिजेरियन प्रसव और 8 लैब जांच भी हुई थीं।

निरीक्षण के दौरान एमओआईसी डॉ. उमेश चंद, स्टाफ नर्स आनंद यादव और गीता देवी अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ ने इन तीनों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया। एसएनसीयू में गंदगी मिली और कोई बच्चा भर्ती नहीं था, जिस पर सीएमओ ने एमओआईसी से स्पष्टीकरण मांगा। अस्पताल में साफ–सफाई की खराब व्यवस्था के लिए सफाई कर्मी रामाधा प्रसाद का एक महीने का वेतन रोक दिया गया।

वार्ड में दवाइयां जमीन पर रखी मिलने पर फार्मासिस्ट सिराजुल को चेतावनी पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया। सीएमओ ने सभी लैब टेक्नीशियन और एक्स–रे टेक्नीशियन की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगाने का आदेश दिया। उन्होंने बाहर से पैथोलॉजी जांच या एक्स–रे कराने वाले चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। सीएमओ ने अस्पताल में संदिग्ध व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने, सभी कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति और मरीजों के लिए बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

संवाददाता—गोण्डा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का 5252वां जन्म उत्सव रिजर्व पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया गया है मध्यरात्रि 12 बजे के बाद जैसे ही भगवान कृष्ण का जन्म हुआ वैसे ही भगवान कृष्ण के नारों के साथ पूरी पुलिस लाइन गूंज उठी। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने अपनी पत्नी और दोनों एडिशनल एसपी के साथ विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और प्रसाद वितरण किया है साथ ही पुलिस लाइन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

एसपी विनीत जायसवाल इस दौरान अपने आप को खुद रोक नहीं पाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम मंच पर अन्य पुलिसकर्मियों के साथ पहुंच गए जहां अपने हाथ में माइक लेकर भक्तिगीत गाए है। उन्होंने गाया राधे राधे बोलो चले आएंगे कन्हैया और लाडला कन्हैया मोर काली कमली वाला जैसे भजन प्रस्तुत किए। जिसे सुनने के लिए हजारों की संख्या में पुलिसकर्मी और गोंडा जिले के हजारों लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में देवीपाटन मंडल के कमिश्नर शशि भूषण लाल सुशील मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ उनकी पत्नी गरिमा भूषण, डीएम प्रियंका निरंजन, अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, एसपी की पत्नी डॉ. तन्वी जायसवाल भी मौजूद थीं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत, पश्चिमी राधेश्याम राय, क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा और महिला थाना अध्यक्ष अनीता यादव सहित सैकड़ों पुलिसकर्मी और उनके परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए।

कमिश्नर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रतिभावान बच्चों को कमिश्नर और एसपी ने पुरस्कृत किया है। महिला थाने की एक पुलिसकर्मी ने भी भक्तिगीतों की प्रस्तुति दी है जिनकी प्रतिभाओं को देखकर के अधिकारियों ने सराहा है। कमिश्नर ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से हम लोगों ने मनाया है छोटे–छोटे बच्चों के अंदर बहुत उत्साह था।

डीजे पर बजा अश्लील गाना रातभर ठुमका लगाते रहे पुलिसकर्मी

संवाददाता—देवरिया। खुखुंदू थाने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शनिवार रात में डीजे पर बजे अश्लील गानों पर थाने के पुलिसकर्मियों ने जमकर ठुमके लगाए। यहां प्रभारी थानेदार से लेकर अन्य पुलिसकर्मियों ने डीजीपी के आदेश की खुलेआम धज्जियां उड़ाई है। सूत्रों की मानें तो प्रभारी थानेदार से लेकर दरोगा और पुलिसकर्मियों ने डीजे पर अश्लील गानों के साथ बारी–बारी से ठुमका लगाया।

दरोगा से लेकर अन्य पुलिस कर्मियों का ठुमका लगाते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल भी हो रहा है। पुलिस कर्मियों को अश्लील गानों पर ठुमके लगाते हुए वीडियो देख क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है।

खुखुंदू थाना परिसर स्थित श्रीराम–जानकी मंदिर में थाने के तरफ से ही डोल रखा जाता है। इसमें व्यापारी वर्ग भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। हालांकि यहां हर साल की परम्परा है कि जो थाना प्रभारी रहता है, वही परिवार के साथ पूजन–अर्चन कराता है। शनिवार को आयोजित भगवान के जन्मोत्सव कार्यक्रम में मंदिर और थाना परिसर को वृहद रूप से सजाया गया था।

इस दौरान थाने में प्रभारी थानेदार ने डीजे की भी व्यवस्था कराई थी। जबकि डीजीपी का सख्त आदेश था कि किसी थाने कहीं भी डीजे नहीं बजेगा। बावजूद इसके प्रभारी थानेदार ने थाना परिसर में डीजे लगवाया। इतना ही नहीं रात में भक्ति गीतों की जगह षमीयाना में तोहरे चलते.. चली गोली जैसी अश्लील गानों को बजाकर सादे ड्रेस में, दरोगा, मुंशी से लेकर अन्य पुलिस कर्मियों ने जमकर ठुमके लगाए।

थाना परिसर में बजे अश्लील गानों पर वर्दीधारियों को थिरकते हुए किसी ने वीडियो बना लिया और डांस करते पुलिस कर्मियों का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। पुलिस महकमे की इस करतूत की चहुंओर बड़ी जोर–शोर से चर्चा हो रही है। एएसपी दक्षिणी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर वीडियो की जांच कराकर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

गोलीकांड को लेकर पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज घर जाते समय देर रात दबंगों ने नाजरीन को मारी थी गोली

संवाददाता—गोण्डा। परसपुर थाना क्षेत्र में देर रात हुए गोली कांड को लेकर के पीड़ित के तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ परसपुर थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। गुरेटी प्राथमिक विद्यालय के पास रात 8 बजे एक महिला को गोली लग गई थी। पीड़ित मकसूद अली की पत्नी नाजरीन को गोली लगने के बाद गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां नाजरीन का गोंडा मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

मकसूद अली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह देर रात गोंडा से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मुस्लिम, कासिम, गुफरान, काले और राजिस ने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। गोली मकसूद को नहीं लगी, लेकिन उनकी पत्नी नाजरीन के दाहिने हाथ में लग गई। गोली लगने से गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई है जिससे मकसूद अली को भी चोट लगी है।

वहीं, परसपुर थाना अध्यक्ष अनुज त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोनों पक्षों के बीच कई सालों से जमीन विवाद चल रहा है। पिछले महीने भी दोनों पक्षों में गाली–गलौज और मारपीट हुई थी। अब यह विवाद हिंसक रूप ले चुका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति के मौत के सदमे से पत्नी ने तोड़ा दम

संवाददाता—गोण्डा। अधिवक्ता पति के निधन से आहत पत्नी ने 24 घंटे बाद दम तोड़ दिया। अधिवक्ता दंपति के निधन से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। यह पूरा मामला इटियाथोक कोतवाली के हरैय्याझूमन गांव का है।

गांव निवासी 55 वर्षीय अनिरुद्ध द्विवेदी गोंडा कचहरी में करीब 25 साल से वकालत कर रहे थे। वे मधुमेह के बीमारी से पीड़ित थे। शुक्रवार को उनका निधन हो गया। पति की मौत का सदमा उनकी पत्नी उर्मिला दूबे बर्दाश्त नहीं कर सकीं और शनिवार की देर रात में हृदयगति रुकने से उनका भी निधन हो गया। दंपति की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं, मृतक के बेटे राहुल दूबे ने बताया कि उनके पिता पिछले कुछ दिनों से मधुमेह से ग्रसित थे और दवा चल रही थी। शुक्रवार की दोपहर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए इटियाथोक सीएचसी ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका अंतिम संस्कार अयोध्या में सरयू नदी के तट पर किया गया। शुक्रवार की रात में करीब 8 बजे परिवार के लोग अंतिम संस्कार से लौटे। उसी दौरान मां उर्मिला दूबे की भी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पड़ोस के चिकित्सक से इलाज कराने के बाद उन्हें घर लाया गया, लेकिन शनिवार की सुबह वे मृत अवस्था में बिस्तर पर मिलीं। परिजनों का कहना है कि पिता की मौत के सदमे ने मां की जान ले ली। अधिवक्ता अनिरुद्ध द्विवेदी के चार बेटे राहुल, रोहित, मोहित और नाबालिग दुर्गेश दूबे हैं। जबकि तीन बेटियां हैं जिनकी शादी हो चुकी है। गांव में इस दर्दनाक घटना से शोक की लहर है। स्वजन का रो–रोकर बुरा हाल है और आसपास के लोग घर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

सीआरपीएफ के समीर कुमार राव को राष्ट्रपति से मिला सम्मान

संवाददाता—देवरिया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सेकेंड–इन–कमांड समीर कुमार राव को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा सराहनीय सेवा पुलिस पदक से नवाजा गया है। देवरिया के गनियारी गांव के रहने वाले राव 1991 में सीआरपीएफ में शामिल हुए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से परास्नातक राव ने 34 वर्षों के सेवाकाल में कई चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अपनी सेवाएं दीं। साथ ही असम, त्रिपुरा, मणिपुर और जम्मू–कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में भी तैनात रहे। राव ने छत्तीसगढ़, बिहार और आंध्र प्रदेश के नक्सल प्रभावित इलाकों में भी अहम भूमिका निभाई। विशेष ड्यूटी ग्रुप में रहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। द्रुत कार्य बल में रहते हुए साम्प्रदायिक दंगों और किसान आंदोलनों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में सफल रहे। वर्तमान में मणिपुर में भीड़ नियंत्रण में उनकी भूमिका सराहनीय है। अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाने वाले राव को इससे पहले भी कई सम्मान मिल चुके हैं।

घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता—गोण्डा। घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है गिरजा, शारदा और सरयू बैराज से 3.31 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।तरबगंज तहसील के ब्योन्दा माझा गांव बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। गांव में घरों के चारों तरफ पानी भरा हुआ है।

ग्रामीण नाव से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा रहे हैं। पानी भरने के कारण कंपोजिट विद्यालय ब्योन्दा माझा को बंद कर दिया गया है। जिला प्रशासन 2000 से अधिक प्रभावित ग्रामीणों को राहत सामग्री वितरित कर रहा है। कम्युनिटी किचन से लंच पैकेट भी दिए जा रहे हैं। तटीय इलाकों में कटान को रोकने के लिए बाढ़ खंड विभाग काम कर रहा है। विद्यालय बंद होने से बच्चे नाव का सहारा लेकर पढ़ाई करने नहीं जा पा रहे हैं।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के चहलवा और साकीपुर में सबसे तेज कटान हो रही है। जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश के अनुसार, प्रभावित किसानों को जल्द ही आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा। बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक घाघरा नदी में पहुंचने की संभावना है। तटीय इलाकों के रहने वाले लोगों को अलर्ट मोड पर भी रखा गया है ताकि नदी का पानी जब लोगों के घरों में घुसे तो वह सुरक्षित स्थान पर पहुंच सके।

गोंडा जिला मुख्यालय पर बनाए गए कंट्रोल रूम से भी सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से तटीय इलाकों की निगरानी की जा रही है सभी 28 बाढ़ चौकियों को सक्रिय करके पूरी तरीके से अलर्ट मोड पर रखा गया है।राजस्व विभागीय अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भी ड्यूटी तटीय इलाकों में लगाई गई है।

दो रिहायशी झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र के अहिरौली में आधी रात में दो लोगों के रिहायशी झोपड़ी में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि दो बाइक पांच साइकिल और गृहस्थी सारा समान जलाकर राख कर दिया। दो लाख नगद जलने की बात भी बताया जा रहा है। थाना क्षेत्र के अहिरौली निवासी रामचंद्र और लखीचंद दोनों भाई है। बघौचघाट कस्बे में फल और सब्जी की दुकान चलाते हैं।दोनो भाई दुकान बंद कर नगद रुपया सहित घर गए और खाना खा कर सोने चले गए। आधी रात में उनकी रिहायशी झोपड़ी में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और देखते देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

गांव में जन्माष्टमी मना रहे ग्रामीण आग की सूचना पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मेहनत से आग पर काबू पाया। तबतक दोनों के घर में रखा गृहस्थी का सारा समान जलकर खाक हो गया। इसमें दो बाइक, पांच मोटरसाइकिल, सिलाई मशीन, लाखों रुपया नगद, कपड़े, जेवर सभी कुछ जल गया। रात में कई बार लोगो ने अग्निशमन विभाग में फोन किया लेकिन कोई गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। स्थानीय पुलिस ने मौके का जायजा लिया। सुबह हल्का लेखपाल पहुंचकर आग में जले समान का आकलन किया।

41 स्वास्थ्य केंद्रों पर 2082 मरीजों का मुफ्त इलाज 42 गोल्डन कार्ड बने

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को जिले की 41 चिकित्सा इकाइयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 2082 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार हुआ। इनमें 893 पुरुष, 871 महिलाएं और 318 बच्चे शामिल थे। मेले में लोगों को सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी गई। विभिन्न रोगों की पहचान की गई और आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। गंभीर बीमारियों के संदिग्ध मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों के लिए रेफर किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम और स्वच्छता संबंधी जानकारी दी। मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 42 लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड बनाकर दिए गए। इन कार्ड से लाभार्थियों को भविष्य में निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलेगी।

आरोग्य मेला के नोडल अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डॉ केपी सिंह ने बताया कि मेले का उद्देश्य लोगों को प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं देना और उन्हें स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने पहुंचे।

पेट्रोल न देने पर दो भाइयों को पंच से मारकर किया घायल

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा क्षेत्र के डिंगुरी बागीचे के पास शनिवार की रात एक घटना हो गई। बाइक से पनियरा जन्माष्टमी की झांकी देखने जा रहे दो सगे भाइयों को कार सवारों ने रोककर पेट्रोल मांगा। देने से मना करना कार सवारों को इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने दोनों भाइयों को पंच मारकर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को पकड़ लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहद्दीनपुर के टोला लोहरौटी निवासी शैलेष मौर्या व उसका भाई अजय शनिवार की रात बाइक से पनियरा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की झांकी देखने जा रहे थे। शैलेष का कहना है कि रात को डिंगुरी बागीचे के पास एक कार तेजी से आई और उनकी बाइक को रोक लिया गया। कार सवारों ने उससे पेट्रोल मांगा। मना करने पर हाथ में रखे पंच से मार कर दोनों भाइयों को घायल कर दिया। शैलेष का कहना है उन दोनों भाइयों ने बस इतना कहा था कि पेट्रोल किसी दुकान से ले लें। इससे नाराज कार सवारों ने उन दोनों को गाली देते हुए मारकर घायल कर दिया और मोबाइल फोन छीनकर धमकी देते हुए चले गए। आरोप लगाया कि इसी बीच उसका एक दोस्त आ गया और उसने बचाने का प्रयास किया तो उसे भी मारपीट कर उसका कीमती सामान छीन लिया गया। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज किया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

15 अगस्त को घर से निकली छात्रा की हत्या

संवाददाता—कुशीनगर।15 अगस्त को घर से स्कूल जाने के लिए निकली एक 10वीं की छात्रा लापता हो गई थी। छात्रा का शव 1 दिन बाद शनिवार शाम को उसके स्कूल से 4 किलोमीटर दूर मोरवन गांव में पुल के नीचे मिला है। छात्रा के शरीर पर चोटे के निशान थे। गर्दन और चेहरे पर धारदार हथियार से मारा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने गांव के छोटू और उसके साथी प्रिंस पर केस दर्ज किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। छोटू छात्रा के स्कूल का छात्र था। कुछ दिन पहले छात्रा से छेड़छाड़ करने पर उसे स्कूल से निकाल दिया गया था।

छात्रा की उम्र 16 साल थी और वह रामकोला के एक वार्ड की रहने वाली थी। छात्रा 15 अगस्त को सुबह साढ़े 7 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। जब वह दोपहर तक घर नहीं लौटी तो परिवार के लोग उसको ढूंढते हुए स्कूल पहुंचे। स्कूल पहुंचने पर पता चला कि 15 अगस्त को बच्चों की अटेंडेंस नहीं लगती है। इस वजह से यह नहीं पता चल पाएगा की छात्रा स्कूल आई थी कि नहीं। घरवाले स्कूल से निकलने के बाद रिश्तेदारी में पता करने लगे। लेकिन कहीं उसका पता नहीं चला। देर शाम पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस छात्रा की तलाश कर रही थी। इसी बीच शनिवार को पुलिस को एक लड़की का शव मिला। जिसकी शिनाख्त लापता छात्रा के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। छात्रा के शरीर पर आधे कपड़े ही थे।

छात्रा के पिता का कहना है, बेटी घर से स्कूल जाने के लिए सहेलियों साथ निकली थी। लेकिन किसी को भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मेरी बेटी को बेरहमी से मारा गया है। उसके स्कूल का लड़का उसको परेशान करता था। उसी ने बेटी को मारा है। हमारी मांग है आरोपी को सख्त सजा मिले। मामले में थानाध्यक्ष राज प्रकाश सिंह ने बताया, आरोप के आधार पर स्कूल के एक पूर्व छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसके एक साथी से भी पूछताछ की जा रही है। पिता ने छात्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण पता चल पाएगा। आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा बहुत ही गरीब परिवार से है। पिता मजदूरी करके परिवार चलाते हैं। पहले वह नागपुर में नौकरी करते थे लेकिन वहां उनका एक्सीडेंट हो गया था। उसके बाद वह गांव वापस आ गए थे। छात्रा 2 बहन और 2 भाई थी और घर की बड़ी बेटी थी। वहीं आरोपी छोटू बैंगलोर में प्राइवेट नौकरी करता था। 1 महीने पहले वह गांव वापस लौटा था।

112 की रैंकिंग में श्रावस्ती पुलिस का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस महानिदेशक आपातकालीन सेवाएं यूपी–112 ने वर्ष 2025 की अर्द्धवार्षिक रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में श्रावस्ती पुलिस ने प्रदेश में 12वां स्थान हासिल किया है।

जुलाई माह में श्रावस्ती में कुल 3589 इवेंट दर्ज किए गए। इन इवेंट का औसत रिस्पांस टाइम 6.38 मिनट रहा। जनपद ने 100 में से 94.85 अंक प्राप्त किए। इस प्रदर्शन के साथ श्रावस्ती अपने जोन में पहले और प्रदेश में छठे स्थान पर रहा।

यूपी–112 की रैंकिंग जागरूकता, प्रेरणा, पारदर्शिता, प्रदर्शन तुलना, संसाधन आवंटन, लक्ष्य प्राप्ति और जवाबदेही जैसे मानकों पर आधारित है। जुलाई में जनपद के सभी थानों में प्राप्त 229 इवेंट का शत–प्रतिशत निस्तारण किया गया। कॉलर संतुष्टि का प्रतिशत 89.47 रहा।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। पिछले 6 माह के उत्कृष्ट रिस्पांस टाइम के लिए राजेश यादव, बलवंतलाल राव, गौरव कुमार, सोनू कुमार, अनिकेत कुमार और योगेश कुमार को प्रशस्ति पत्र दिए गए। इसके अलावा, प्रमोद चौधरी, राहुल कुमार और देवानंद मिश्रा को श्रेष्ट व्ही जीम क्लश के लिए सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता जनपद श्रावस्ती के यूपी–112 के नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम, यूपी–112 प्रभारी रामनवल यादव व यूपी–112 में नियुक्त पुलिस कर्मियों की मेहनत, लगन और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी जनसुरक्षा, महिला सम्मान, अपराध नियंत्रण और मजबूत कानून व्यवस्था के लिए इसी तरह के प्रयास जारी रहेंगे।

सीएम राहत कोष से इलाज में की गई 100 करोड़ रुपये की मदद, दुर्लभ स्वास्थ्य सेवाएं हुईं सहज -योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो स्पेशलिटी सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने की प्रधानमंत्री–मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। यदि किसी के इलाज में आयुष्मान योजना की राशि कम पड़ेगी तो मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधि से उसकी भरपूर मदद की जाएगी।

सीएम योगी रविवार को रीजेंसी हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया और हॉस्पिटल के पेशेंट एप 'रीजेंसी माई केयर' को भी लांच किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं गरीब के लिए दुर्लभ थीं, पर आज सहज उपलब्ध होने लगी हैं। यूपी सरकार ने साढ़े पांच करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। इसके आलावा जिन लोगों के पास आयुष्मान योजना या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं है, उनके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से है। विधायकों को भी उनकी निधि से पचीस लाख तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है।

सीएम योगी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपये इलाज के लिए दिए गए हैं। पहले यह सुविधाएं नहीं थीं और अगर कुछ सुविधाएं मिलती भी थीं तो 'पिक एण्ड चूज' के माध्यम से चेहरा देखकर मिलती थीं। सीएम योगी ने कहा कि जनता के साथ जो हर समय खड़ी हो वही सरकार है। सरकार का लक्ष्य हो कि जनता को बिना भेदभाव के सभी सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि इलाज हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा मिलता है। आज हर एक स्तर पर यह सुविधा मिल रही है। पिछले 11 वर्ष में विकासपरक परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति की आर्थिक क्षमता भी बढ़ी है। व्यक्ति पैसा खर्च कर सकता है बस उसको सुविधाओं की आवश्यकता रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई सौ बीएड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी का शुरू होना गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक ही छत के नीचे यहां सारी सुविधाएं मिलेंगी। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमोत्तर बिहार और नेपाल के लोगों को भी मिलेगा।

यहां 80 बेडेड आईसीयू की भी सुविधा है। उन्होंने कहा कि की कानपुर में रीजेंसी हॉस्पिटल चिकित्सा सेवा के बैक बोन के रूप में है और यूपी में इसकी श्रृंखला शुरू हो रही है। इस हॉस्पिटल को गोरखपुर में स्थापित कराने के लिए सीएम योगी ने इसके साझीदार तनमय मोदी की मुक्त कंठ से सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम है लेकिन यदि उपचार में सावधानी और सतर्कता नहीं बरती गई तो वह इंफेक्शन का भी माध्यम बन जाता है। इस अस्पताल में इन सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। यह अस्पताल इस क्षेत्र के पांच करोड़ आबादी के लिए एक बेहतरीन स्वास्थ्य केंद्र बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज से दस वर्ष पहले स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बहुत खराब थी। सरकार उदासीन थी, जनता जैसे–तैसे अपना जीवनयापन करती थी। जनता को उत्तम स्वास्थ्य की सुविधा देने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कार्य शुरू किया तो देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरीन वृद्धि देखने को मिली।

आज से दस वर्ष पूर्व, पूर्वी यूपी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही एक मात्र बड़ा स्वास्थ्य केंद्र था, जो खुद ही बीमार था। शासन की प्रतिबद्धता से आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। गोरखपुर में एम्स भी संचालित हो गया है, दर्जनों अन्य अस्पताल भी खुल गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पूर्वी यूपी में गोरखपुर में ही मेडिकल कॉलेज था। आज बस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, अयोध्या, जौनपुर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, चंदौली, मिर्जापुर आदि जिलो में भी मेडिकल कॉलेज हैं। बलिया में भी सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की एक लंबी श्रृंखला है, पहले इसका अभाव था। अब पूर्वी यूपी के जनपद गोरखपुर व जनपद रायबरेली में एम्स भी संचालित है। वाराणसी में टाटा कैंसर अस्पताल के सहयोग के साथ कैंसर के उपचार हेतु बीएचयू में एक बेहतरीन सेंटर का भी निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। हमें इस क्षेत्र में अच्छे मॉडल देने पड़ेंगे। यह मॉडल गोरखपुर में आज से 22–23 वर्ष पूर्व गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा चलाये गये मॉडल की तरह हो सकता है। उस समय गोरखपुर में आईसीयू तथा डायलिसिस की सुविधा नहीं थी, तब इस अस्पताल ने आईसीयू तथा डायलिसिस की सुविधा का लाभ गोरखपुर को उपलब्ध कराया था। अस्पताल ने ब्लड बैंक की स्थापना को आगे बढ़ाकर ब्लड सेप्रेटर यूनिट व ब्लड एप्रेसिस यूनिट की भी व्यवस्था की थी। उस समय इस अस्पताल ने व्यक्ति की जरूरत व आर्थिक स्थिति के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा देने का मॉडल दिया था। अब इस मॉडल को अपग्रेडेड मॉडल के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए रीजेंसी हॉस्पिटल समूह के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अतुल कपूर ने हॉस्पिटल में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हॉस्पिटल से स्थानीय स्तर पर आठ से नौ सौ लोगों को रोजगार भी सुलभ होने जा रहा है।

समारोह को गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल और पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल, गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, रीजेंसी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. अभिषेक कपूर, स्थानीय साझीदार तनमय मोदी, काशी से आए जगद्गुरु संतोषाचार्य सतुआ बाबा, हनुमानगढ़ी अयोध्या से आए राजू दास, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, उद्यमी चंद्रप्रकाश अग्रवाल, पुष्पदंत जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी ने विधि–विधान से की पूजा, लड्डू गोपाल को पालने में झुलाया

संवाददाता–गोरखपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पारंपरिक श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। गोरखनाथ मंदिर के उत्सवधर्मी एवं पारंपरिक श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री शनिवार रात लखनऊ से यहां पहुंचे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पवित्र पर्व पर सीएम योगी शनिवार पूर्वाह्न से मध्य रात्रि तक योगेश्वर श्रीकृष्ण की साधना में रत रहे। पूर्वाह्न उन्होंने प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में जन्मभूमि मंदिर में कान्हा की विधि–विधान से आराधना कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक पुष्पार्चन किया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन–कीर्तन का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री वहां पहुंचे और सुमधुर भजनों का आनंद उठाते हुए राधा–कृष्ण बने बच्चों को दुलार कर उन्हें उपहार दिया। मध्य रात्रि गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विधि–विधान से विशिष्ट पूजा–अर्चना की। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के बाद श्श्श्श्नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की और 'श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव' की मंगल धुन, सोहर गीत और घंट–घड़ियाल की ध्वनि के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर उन्हें गोद में लेकर गर्भगृह से बाहर आए। प्रभु श्रीहरि के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को फूलों से सजे पालने में बैठाकर श्रद्धाभाव से उन्हें झूला झुलाया और आरती उतारी। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री ने भजन कीर्तन के मध्य श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में राधा व कृष्ण बने बच्चों को खूब स्नेह दिया। उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। उन्हें खिलौने व चॉकलेट उपहार में दिए। इस दौरान कई मासूमों को अपनी गोद में लेकर वह काफी देर तक खिलाते रहे, प्यार–दुलार करते रहे। श्रीकृष्ण के प्राकट्य अनुष्ठान से पूर्व सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर परिसर के रात्रिकालीन भ्रमण पर निकले। इस दौरान भी उन्होंने परिजनों के साथ श्रीकृष्ण–राधा के रूप में आए बच्चों को खूब दुलारा और उन्हें उपहार दिया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर शाम को भजन कार्यक्रम हुआ। दूसरी तरफ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के गर्भगृह में रात 11रू32 बजे से प्रारंभ हुआ और ठीक मध्य रात्रि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोपरांत मंगल गीत व प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, वाराणसी से आए जगद्गुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, सांसद रविकिशन शुक्ल, कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह व प्रदीप शुक्ल, हनुमानगढ़ी अयोध्या से आए राजू दास, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास आदि उपस्थित रहे। मध्य रात्रि तक मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के बढ़या में रविवार को इन्वर्टर ठीक करते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। सीएचसी मेंहदावल पर उसे चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बखिरा थाना क्षेत्र के बजही निवासी अंगद कुमार पुत्र अनिल कुमार नगर पंचायत धर्मसिंहवा के बढ़या में अपने मामा के यहां रहकर खुद की किराने की दुकान चलाता था। दुकान में इन्वर्टर भी लगा है। रविवार की सुबह उसके इन्वर्टर से आवाज आ रही थी। उसे ठीक करने के लिए इन्वर्टर के पास पहुंचा।

इसी दौरान वह इन्वर्टर के करंट की चपेट में आ गया। वह वहीं बैठा रह गया। कुछ देर बाद कोई ग्राहक गुटखा लेने आया। काफी बुलाने के बाद जब नहीं बोला तो उसके पास जाकर छू कर देखा। अंगद को छूने से उस ग्राहक को भी करंट का आभास हुआ तो वह चिल्लाकर शोर मनाया। आसपास के लोगों को बुलाया। आसपास के लोगों ने पहुंचकर बांस से किसी तरह छुड़ाया। तत्काल उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल ले गए।

वहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे राजस्व विभाग के कर्मचारियों घटना के बारे में जानकारी ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जन्माष्टमी कार्यक्रम में जाने से मां ने रोका तो बेटी ने कर ली खुदकुशी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नागचौरी गांव में शनिवार रात एक किशोरी ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का कहना है कि मां ने बेटी को रात में जन्माष्टमी कार्यक्रम में जाने से रोका था। इससे नाराज होकर बेटी प्रीति (16)पुत्री रामानंद ने खुदकुशी कर ली। मृतका की मां मीरा पत्नी रामानंद ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि शनिवार शाम को उनकी बेटी प्रीति जन्माष्टमी महोत्सव देखने जाने की जिद कर रही थी। देर शाम कार्यक्रम में जाने से मां ने उसे मना कर दिया तो इससे नाराज होकर प्रीति अपने कमरे में चली गई। रात लगभग दस बजे जब मीरा बेटी को बुलाने टीन शेड से बने कमरे में पहुंची तो अंदर का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। प्रीति दुपट्टे के सहारे लोहे के पाइप से लगे फंदे पर लटकी हुई थी। किसी तरह उन्होंने बेटी को नीचे उतारा और चारपाई पर लिटाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना थाने पर दी गई। सूचना पाकर थानाध्यक्ष नारायण लाल श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतका की मां ने आत्महत्या से संबंधित तहरीर दी है। हालांकि घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। गांव के लोगों का कहना है कि प्रीति पढ़ाई में अच्छी थी व स्वभाव से शांत रहती थी। अचानक उठाए गए इस कदम से परिवार और गांव के लोग सदमे में हैं। घटना के बाद से घर में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिस और युवकों में नोकझोंक का वीडियो वायरल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी बाजार में शनिवार देर शाम जन्माष्टमी की आरती के बाद पुलिसिया रवैये को लेकर माहौल गरमा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वार्ड नंबर–5 के दो युवक पानी पीने के लिए बस स्टॉप तिराहे पर रुके थे, तभी ड्यूटी पर तैनात सिपाही मनीष, विशाल और रामकुमार ने बिना किसी पूछताछ के उन्हें रोक लिया और कॉलर पकड़कर अभद्रता करने लगे। आरोप है कि सिपाहियों ने युवकों को 'स्मैकर' और 'मोबाइल चोर' कहते हुए थाने ले जाने की धमकी दी। स्थानीय निवासी विवेक ने जब पुलिसकर्मियों के इस व्यवहार का विरोध किया, तो उसे भी किनारे ले जाकर बेरहमी से पीटा गया। मारपीट की घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिसकर्मियों के रवैये का विरोध करने लगे। देखते ही देखते घटना तूल पकड़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पंचायत बढ़नी के अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने तत्काल पुलिस अधीक्षक को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी। अग्रहरि ने आरोप लगाया कि पुलिस असली तस्करों और चोरों पर कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष युवकों को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि करीब एक माह पहले उन्होंने नगर क्षेत्र में बढ़ रही चोरी और स्मैक तस्करी को लेकर एसपी को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। नगर अध्यक्ष ने कहा कि कुछ दिन पहले एक स्मैकर और उसकी मां ने दो सिपाहियों के साथ हाथापाई की थी, मगर आज तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके उलट जन्माष्टमी जैसे शुभ दिन पर हिंदू परिवार के युवकों को परेशान किया गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में बढ़नी बाजार में करीब 20 चोरी की घटनाएं हुई हैं। अधिकतर मामलों को या तो दबा दिया गया या गंभीरता से जांच नहीं की गई। ऐसे में लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नगर अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार की कठोर छवि के बावजूद स्थानीय स्तर पर पुलिस बेलगाम होकर निर्दोष हिंदू परिवारों को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर पूरा विषय उठाएंगे।

सुबह से निकली चटख धूप ने बढ़ाई गर्मी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में रविवार को निकली चटख धूप ने लोगों को जमकर परेशान किया। मौसम का मिजाज एक बार फिर पूरी तरह से बदल गया है। सुबह से ही चटख धूप निकली। इसकी वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। धूप चटख होने की वजह से लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इससे जन जीवन पूरी तरह से बेहाल दिखा। अगस्त माह का प्रथम पखवारा बारिश के नाम रहा। बहुत अधिक बरसात तो नहीं हुई, लेकिन लगातार बारिश होने की वजह से फसलें बेहतर रहीं। दूसरा पखवारा शुरू होने के एक दिन पहले ही मौसम सख्त हो गया था। पिछले दस दिनों बाद मौसम का मिजाज पूरी तरह से बन और बिगड़ रहा है। रविवार को भी मौसम सख्त बना रहा। कड़ी धूप के साथ वातावरण में आर्द्रता अधिक होने की वजह से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। उमस भरी गर्मी होने की वजह से लोगों के सिर से पांव तक पसीना टपकता रहा। हालांकि दिन में बादलों की आवा जाही लगी रही। मौसम इस कदर बना हुआ था कि कभी तेज धूप निकल जाती थी तो कभी बदली हो जाती थी। धूप निकलने पर लोग दिन में छांव की तलाश करते रहे। दिन में धूप निकलने की वजह से पौधे अपना भोजन आसानी से बना रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकार का मौसम खेती किसानी के पूरी तरह से अनुकूल है। धूप निकलने की वजह से लोगों ने अपना जरूरी काम काज भी निपटाया।

कार्यालय क्षेत्रीय प्रबन्धक यू०पी० कोऑपरेटिव यूनियन लि० बस्ती मण्डल, बस्ती

पत्रांकः–/पी.सी.यू. /मू0 स0/2025–26   दिनांक 17 अगस्त 2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ.प्र. कोआपरेटिव यूनियन लि. द्वारा मूल्य समर्थन योजना के अर्न्तगत खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में बस्ती मण्डल के जनपद बस्ती, सन्तकबीर नगर में प्रस्तावित एवं सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदित क्रय केन्द्रों पर क्रय किए जाने वाले धान एवं आगामी रवि विपणन वर्ष 2026–27 (यदि धान के सेण्टर आगामी गेहूं में है) के हैण्डलिंग कार्य हेतु ठेकेदारों/फर्मो से निविदायें दिनांक 25–8–2025 तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि, निविदा विशिष्टियां, निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बंधित जानकारी http/etender. up.nic.in पर उपलब्ध है।

क्षेत्रीय प्रबंधक
पी0सी0यू0
बस्ती मण्डल,बस्ती

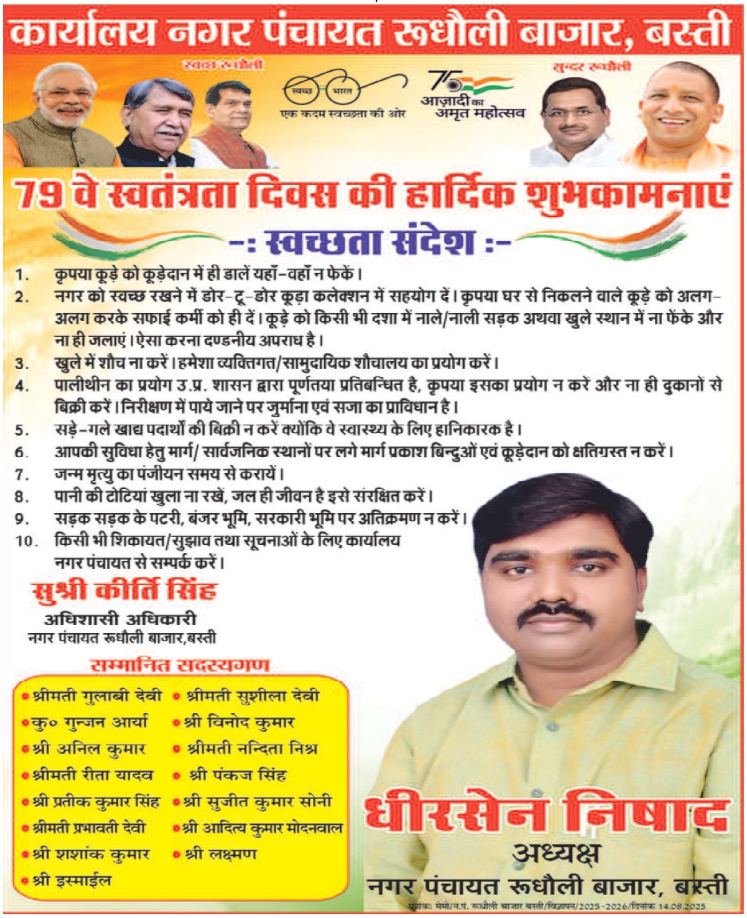

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com